

PhD Viva Voce at ICFAI University on Study of Entrepreneurial Intentions of students –

Nov 01, 2020

M^K
Morning India
www.sanmarglive.com

Ranchi, Sunday
1 November 2020

PhD Viva Voce at ICFAI University on Study of Entrepreneurial Intentions of students

Today, PhD Viva Voce was conducted at ICFAI University, Jharkhand for Ms Satya Lakshmi, who submitted her PhD thesis on "Factors impacting Entrepreneurial Intentions of Indian Millennials: A Study of Graduating Students". External Examiners were Prof. P.S. Tripathi, Dean, Institute of Management Studies, Banaras Hindu University (BHU) and Prof. Rajeev Kumar Panda, Associate Professor & HOD, School of Management, National Institute of Technology (NIT), Rourkela. Dr. Pallavi Kumari was her guide from the University.

Welcoming the faculty members and PhD scholars to the Open Viva Voce, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said, "Considering the need for grooming Entrepreneurs from their college days, it is important to identify the factors that shape up their Entrepreneurial Intentions so as to facilitate the initiatives in that regard. This research is very insightful from that perspective".

The researcher conducted a survey of final year students of BTech and MBA in various colleges on their inclination towards starting

their own business. A number of students expressed their intention to start own business within 5 years of graduation after gaining work experience. As per the study, BTech students are more inclined to become Entrepreneurs than MBA students. Attitude to take risk and Confidence came out as major factors that influence the students to start their ventures, whereas parental support, family background, Role Models, Institutional support by way of building awareness, skill building, mentoring etc are the other supporting factors. The study also made a number of recommendations to promote and encourage entrepreneurship in Higher Educational Institutions.

After the successful viva voce, Ms Satya Lakshmi was declared eligible for the award of PhD subject to

About the ICFAI University Jharkhand: The ICFAI University, Jharkhand (IUJ) belongs to the ICFAI University Group (IUG), which pioneered Professional Education in India. More details on IUJ can be found by visiting its website at www.iujharkhand.edu.in or its Face Book page at www.facebook.com/icfai-jharkhand.



छात्रों के उद्यमी सोच पर इक्फाई विवि में पीएचडी वाइवा



संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में सत्य लक्ष्मी के लिए पीएचडी वाइवा वायस का आयोजन शनिवार को किया गया। जिन्होंने भारतीय उद्यमी के सोच को प्रभावित करने वाले जगत स्नातक छात्रों पर एक अध्ययन पर अपनी पीएचडी थीसिस प्रस्तुत की। इस वाइवा वायस एक्सटर्नल परीक्षक प्रो पीएस त्रिपाठी, डीन, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और प्रो राजीव कुमार

पांडा, एक्सीक्यूटिव प्रोफेसर सह एचआरडी, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), राउरकेला के थे। डॉ फल्लवी कुमारी विश्वविद्यालय से सत्य लक्ष्मी की गाइड थीं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने ऑपन वाइवा वाइस के लिए संकल्प सदस्यों व पीएचडी विद्वानों का स्वागत करते हुए कहा कि कॉलेज के दिनों से ही उद्यमियों को संभारने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, उन कारकों की पहचान करना अहम है जो

उनके उद्यम इरादों को आकार देते हैं। ताकि उस संबंध में पहल को सुविधाजनक बनाया जा सके। यह शोध इस दृष्टिकोण से बहुत ही व्यावहारिक है। शोधकर्ता ने अपने स्वयं के व्यवसाय शुरू करने की दिशा में विभिन्न कॉलेजों में वीडियो और नेट के अंतिम वर्ष के छात्रों का एक सर्वेक्षण किया था। सर्वेक्षण में कई छात्रों ने कर्मा अनुभव प्राप्त करने के बाद स्नातक होने के 5 वर्षों के भीतर अपना व्यवसाय शुरू करने का इरादा व्यक्त किया। अध्ययन के अनुसार, बॉटिक छात्रों को एमपीए छात्रों की तुलना में उद्यमी बनने की अधिक इच्छा है। जोखिम लेने का आत्मविश्वास प्रमुख कारक के रूप में सामने आए जो छात्रों को अपने उद्यम शुरू करने के लिए प्रभावित करते हैं। जबकि माता-पिता का समर्थन, पारिवारिक पृष्ठभूमि, रोल मॉडल, जागरूकता निर्माण के भावना से संभावित समर्थन, कौशल निर्माण, सलाह आदि अन्य सहायक कारक हैं। इस अध्ययन ने उच्च शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए कई सिफारिशें की। सफल वाइवा वायस के बाद, सत्य लक्ष्मी को पीएचडी के लिए पात्र घोषित किया गया तथा पीएचडी के अवाई के लिए विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद को अनुमोदन के लिए भेजा गया।

इक्फाई विवि में पीएचडी का ऑनलाइन वायवा

रांची. इक्फाई विवि में शनिवार को ऑनलाइन पीएचडी वायवा हुआ. सत्य लक्ष्मी द्वारा भारतीय उद्यमी की सोच को प्रभावित करनेवाले कारक : स्नातक छात्रों पर एक अध्ययन विषय पर शोध थीसिस प्रस्तुत किया गया. इसके लिए बाह्य परीक्षक के रूप में बीएचयू के डीन प्रो पीएस त्रिपाठी व एआईटी राउरकेला के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष प्रो राजीव कुमार पांडा थे, जबकि इंटरनल गाइड डॉ फल्लवी कुमारी थीं. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने अपने विचार रखे.

